आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 20.10.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- रौशनी, उमंग और उत्साह का त्योहार दीपावली आज देशभर में पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएँ दीं। श्री मोदी ने कहा– ये पर्व सभी के जीवन में सुख–समृद्धि और सौहार्द लाए।
- उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष में विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा।
- और... थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने उत्तराखंड में केंद्रीय सेक्टर के अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया।

.....

प्रकाश पर्व दीपावली

रौशनी, उमंग और उत्साह का पावन त्योहार दीपावली आज देशभर में पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। हिंदू धर्म में दिवाली के पावन पर्व पर घरों से लेकर मंदिर, बाजार और कार्यस्थलों पर लक्ष्मी पूजन किया जाता है और दीपों की जगमग रोशनी से कोने–कोने में दीए का उजाला किया जाता है। इस दौरान सभी लोग एक–दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं भी देते हैं।

मान्यता है कि इस दिन धन की देवी माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की विशेष पूजा–अर्चना की जाती है। ऐसा करने से जीवन में सुख–समृद्धि, बरकत, धन–सौभाग्य और निरंतर प्रगति के योग बनते हैं। साथ ही साधक के यश, वैभव और ऐश्वर्य में भी वृद्धि होती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, दीपावली अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। इस दिन भगवान श्रीराम 14 वर्षों के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे, जिसकी खुशी में पूरे नगरवासियों ने दीप जलाकर उनका भव्य स्वागत किया था। इसी उपलक्ष्य में दिवाली का त्योहार मनाया जाता है, जिसे प्रकाश, प्रेम और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।

.....

रवांई जौनसार दीवाली

एक ओर जहां पूरे देशभर में कार्तिक माह की दिवाली धूमधाम से मनाई जाती है, वहीं प्रदेश की राजधानी के देहरादून के जनजातीय क्षेत्र जौनसार और उत्तरकाशी जिले के रवांई घाटी, जौनपुर क्षेत्र में एक माह बाद मार्गशीर्ष–मंगसीर में दीपावाली देवलांग मनाईं जाती है।

.....

पेश है एक रिपोर्ट.

गंगोत्री तीर्थ क्षेत्र ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन शोध ग्रंथ के लेखक उमा रमण सेमवाल ने बताया कि वर्ष 1627–28 के बीच गढ़वाल नरेश महिपत शाह के शासनकाल के दौरान तिब्बती लुटेरे गढ़वाल की सीमाओं के अंदर घुसकर लूटपाट करते थे।

फलस्वरूप राजा द्वारा अपने महानायक माधौ सिंह भंडारी व सेनापति लोदी रिखोला के नेतृत्व में तिब्बत फतह के लिए चमोली के पैनखंडा व उत्तरकाशी के टकनौर क्षेत्र से बड़ी सेना को द्वापा तिब्बत आक्रमण के लिए भेजा। आक्रमण माणा–नीती–चोरहोती होकर छपराड़ यानी दापाघाट के राजा काकुआमोर पर किया गया, लेकिन राजा ने माधौ सिंह भंडारी को इस युद्ध से वापस बुला लिया, क्योंकि तब लंगूर गढ़ी पर भी आक्रमण हुआ था लेकिन इसके प्रमाण नहीं मिलते। 12 बग्वाल 16 श्राद्ध भी निकल गए लेकिन जब इस सेना के सेनापतियों का कोई संदेश नहीं पहुंचा तो माधौ भंडारी का मलेथा व लोदी रिखोला का बयाली गाँव में मातम पसर गया। कार्तिक माह गुजर जाने के बाद, एक दिन एक दूत राजदरबार में संदेश लेकर आया कि विजयी सेना तिब्बत फतह कर लौट रही है व महासेनापति माधौ सिंह भंडारी ने संदेश भिजवाया है कि श्रीनगर पहुँचने पर बग्वाली जश्न की तैयारी हो।

वहीं दूसरी ओर पहाड़ों में कार्तिक मास की दीपावली के दौरान खेतों के कार्य अधिक होने के कारण कार्तिक मास की दिवाली को धूमधाम से नहीं मना पाते हैं यही वजह है कि एक परंपरा के रूप में आज भी एक महीने बाद रवांई, जौनपुर और जौनसार क्षेत्र में दीपावाली, देवलांग मानने का रिवाज है। उत्तरकाशी के पुरोला तहसील के दो जनजातीय गांव कुफारा और धकाड़ा ऐसे हैं जहां कार्तिक माह की दीपावली को कोई त्योहार ही नहीं मानते है। इन दोनों गांवों में दीपावली का पर्व एक माह बाद मार्गशीर्ष में मंगसीर दिवाली के रूप में धूमधाम से मनाई जाता है।

.....

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस

राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष में 3 और 4 नवंबर को देहरादून में विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। विधानसभा सचिवालय ने राज्यपाल की अनुमति के बाद इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। उत्तराखंड राज्य 9 नवंबर को अपने स्थापना के 25 साल पूरे करने जा रहा है।

उत्तराखंड राज्य की पंचम विधान सभा का 'विशेष सत्र' 3 और 4 नवम्बर को 11 बजे पूर्वाह्न से विधानसभा भवन, देहरादून में आहूत किया जाएगा। विशेष सत्र की तैयारी में विधानसभा सचिवालय जुटा हुआ है।

.....

थल सेना प्रमुख

थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने उत्तराखंड में केंद्रीय सेक्टर के अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य संचालनात्मक तैनाती का आकलन करना, सैनिकों का उत्साहवर्धन करना और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नागरिक–सैन्य संबंधों को सशक्त बनाना था।

थल सेनाध्यक्ष ने पिथौरागढ़ तथा आस–पास के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में तैनात सैन्य इकाइयों की समीक्षा की। उन्हें आधुनिक निगरानी प्रणालियों, विशेष गतिशीलता प्लेटफॉर्म, अगली पीढ़ी की तकनीकों के एकीकरण, टोही क्षमताओं के अनुकूलन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय जैसे विभिन्न उन्नयन पहलों की जानकारी दी गई।

दुर्गम क्षेत्रों में तैनात सैनिकों से बातचीत के दौरान उन्होंने उनके साहस, संकल्प और चरम मौसम स्थितियों में कर्तव्यनिष्ठ सेवा के प्रति प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने "सेवा परमो धर्म" की भावना को दोहराते हुए कहा कि भारतीय सेना हर प्रकार की सुरक्षा चुनौती का सामना करने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है।

अपने दौरे के समापन पर जनरल द्विवेदी ने संचालनात्मक उत्कृष्टता बनाए रखने, नागरिक–सैन्य समन्वय को और प्रगाढ़ करने तथा राष्ट्र सेवा की सर्वोच्च परंपराओं का पालन करने के लिए भारतीय सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

.....

आईटीबीपी

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के 13 सदस्यीय पर्वतारोही दल ने उत्तरकाशी जिले के बंदरपूंछ पर्वत श्रृंखला की सबसे ऊंची चोटी काला नाग पर सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी तिरंगा फहरा दिया है। पर्यटन विभाग की ओर से चयनित पर्वतारोहियों और भारत तिब्बत सीमा के 13 हिम वीरों ने समुद्रतल से लगभग 6 हजार 3 सौ 78 मीटर ऊंची चोटी का 12 अक्तूबर को सफल आरोहण किया था।

बता दें कि विश्व पर्यटन दिवस पर उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की ओर से 17 सदस्यीय दल को जिले की काला नाग चोटी के आरोहण के लिए हरी झंडी देकर रवाना किया गया था। दल में प्रदेश के सभी जिलों से 12 पर्वतारोहियों का चयन किया गया था। इसमें चार लोग उत्तरकाशी के और पांच जवान आईटीबीपी के भी शामिल थे। दल ने अक्तूबर प्रथम सप्ताह में काला नाग चोटी के आरोहण के लिए अभियान शुरू किया। दल ने 12 अक्तूबर को सुबह करीब सात से आठ बजे के बीच चोटी का सफल आरोहण किया।

.....

शिलान्यास

हरिद्वार जिले के ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की विधायक अनुपमा रावत ने राज्य योजना के तहत बनने वाले सुकरासा, पथरी, रोह पुल का शिलान्यास किया। इस अवसर पर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

इस मौके पर विधायक ने कहा कि यह पुल क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगा। पुल के निर्माण से सुकरासा, पथरी, रोह, और आसपास के गांवों के लोगों को अब आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह पुल न केवल ग्रामीणों को जोड़ता बल्कि स्थानीय व्यापार और कृषि गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है।

.....

चंपावत

दीपों और खुशियों के पर्व दीपावली के अवसर पर चंपावत के जिलाधिकारी मनीष कुमार मौड़ा गाँव पहुँचे। इस दौरान उन्होंने मौड़ा–दीपावली–महोत्सव में सहभाग किया और स्थानीय नागरिकों के साथ पर्व की खुशियाँ साझा कीं। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याएँ भी सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को लोगों की शिकायतों और मांगों पर जल्द और प्रभावी कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि "त्योहार केवल आनंद का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और विकास की भावना को प्रबल करने का अवसर हैं।

.....

राजमार्ग यात्रा

त्योहारों के इस मौसम में आप अपने परिवारजनों और मित्रों को उनकी सुगम और सुरक्षित यात्रा के लिए फास्ट टैग का वार्षिक पास उपहार में दे सकते हैं। यह वार्षिक पास भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के मोबाइल ऐप, राजमार्ग यात्रा, के माध्यम से खरीदा जा सकता है। ये ऐप गूगल प्ले स्टोर पर भी उपलब्ध है।

.....